Vol 4 Issue 6 Dec 2014

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-4 | Issue-6 | Dec-2014
Available online at www.aygrt.isrj.org

GRT

बचपन की पीठ पर उम्मीदों का पहाड़

सामाजिक शोध

रेनू चौहान

असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाज शास्त्र एस.बी.डी. महिला महाविद्यालय धामपुर

सारांश : वर्तमान परिवेश में बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिये यह आवश्यक होगा कि बच्चों की रूचि, क्षमता एवं योग्यतानुसार माता–पिता उनका भविष्य निर्धारण करने में सहयोग करें । आजके समय में तकनीकी व जीवन–शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है । बच्चों को नई चीजें सीखने का अवसर प्रदान करना चाहिये, जिससे की बच्चों का आत्मसम्मान बढ़ सके । शारीरिक विकास हेतु खेलने का अवसर भी बच्चों को मिलना चाहिये । खेलने से बच्चों के शरीर में अच्छे हार्मोन का उत्पादन बढ़ता है और खेलने में व्यस्तता के कारण बच्चे समाज में व्याप्त बुराईयों से बचकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने में सफल होंगे।

प्रस्तावनाः–

हमारा उद्देश्य बाल श्रम, बाल–अपराध व श्रेष्ठ व्यक्तित्व के कारणों को ज्ञात करने के लिए कोई वैज्ञानिक अध्ययन करना है तो, अध्ययन करेंगे कि बच्चों की किस प्रकार का पालनपोषण व शिक्षा–दिक्षा हो जिससे वह श्रेष्ठ नागरिक बनें ।

इस शोध प्रारूप में जिस जटिल समस्या पर प्रकाश डाला वह है बचपन की पीठ पर उम्मीदों का पहाड़ ।

इसमें तीन श्रेणियों के बच्चों व उनके माता पिता के बारे में अध्ययन किया । प्रथम श्रेणी में वो माँ–बाप व बच्चे आते है जिनसे पारिवारिक जीवन यापन के लिये बालश्रम कराया जाता है। द्वितीय श्रेणी में वो माता–पिता आते हैं, जो अपने सपनों को पूरा कराने के लिये अपनी मासूम संतानों पर उन सपनों को थोप देते हैं, तृतीय श्रेणी में वो अभिभावक आते हैं जोकि अपनी संतान की रूचि के अनुसार उन्हें शिक्षा दिलाते हैं और एक सफल व्यक्तित्व को तैयार करते हैं ।

आज की भाग–दौड़ वाली जिंदगी में किसी के पास वक्त नहीं है । मगर बचपन शब्द जहन में आते हीं हर बूढ़ा, जवान और अधेड़ आदमी फ्लैश बैक सीढ़ियों से अपने जीवन की तलहटी में पहुँच जाता है और बचपन के आजादी भरे दिनों को याद करके भाव विभोर हो उठता है । दरअसल बचपन और आजादी का चोली दामन का साथ है जो आजादी बचपन में मिल जाती है उसे जीवन के बाकी हिस्से में पाना नामुमकिन सा हो जाता है । अक्सर लोग जब कभी जिंदगी की व्यस्तता से हताश और निराश होते हैं तो अपने बचपन को याद करने बैठ जाते हैं । 'काश ! हम आज भी बच्चे होते 'जैसा वाक्य खुद–ब–खुद उनके होंठों पर तैर जाता है । ये बिडंबना है कि एक तरह से तो लोग अपने बचपन के फिर से लौट आने की कामना करते हैं और दूसरी तरफ वे जाने अंजाने अपने बच्चों का बचपन छीन लेते हैं । मासूम नोनिहालों की पीठ पर ढ़ेरो अपेक्षाओं का बोझा लादना उनका बचपन छीनना नहीं तो क्या है ? हैरानी की बात तो ये है कि इस नासमझी का प्रदर्शन मध्यम और सभ्य कहे जाने वाले समाज में हो रहा है । किसी देश की तरक्की के लिए बहुत जरूरी है कि उसके पास योग्य और कार्यशील जनसंख्या की एक बड़ी खेप हो । बच्चें हमारी पौधशाला है, इसी पौधशाला से देश को वैज्ञानिक, राजनेता, अध्यापक, डाक्टर, इंजीनियर, खिलाड़ी, कलाकार, किसान व उद्योगपति मिलते हैं । इसलिए आवश्यक है कि बच्चों को सहज और सहयोग भरे वातावरण में विकास करने की आजादी मिलनी चाहिए । हाय वक्त की कैसी बिडम्बना है कि उनसे उनका बचपन छिनने वाला ओर कोई नहीं स्वयं उनके माँ–बाप हीं हैं । निःसन्देह माता–पिता या अभिभावकों को बच्चों की परवरिश और मार्गदर्शन करने का स्वयं अधिकारी हैं, लेकिन मार्गदर्शन के नाम पर उनकी रूचि और नैसर्गिक प्रतिभा को भिन्न रास्ते पर चलाना अक्षम्य अपराध है ।

> ये विडंबना ही है, कि एक तरफ तो लोग अपने बचपन के फिर से लौट आने की कामना करते हैं और दूसरी तरफ वे जाने अंजाने में अपने बच्चों का बचपन छीन लेते हैं । मासूम नोनिहालों की पीठ पर ढरों अपेक्षों का बोझा लादना उनका बचपन

प्रथम दृश्य

प्रथम श्रेणी में हम उन माता पिता व बच्चों को वर्गीकृत करेंगे जो माता–पिता बच्चों के पढ़ने लिखने की उम्र में बालश्रम कराते है उन बच्चों के हाथों में कापी–पैन की जगह पत्थरों से भरे टोकरे होते हैं या किसी होटल व दुकान पर बर्तन मांझते है । कुछ माता पिता को अपने बच्चों से धर्मानुसार भींख मंगवाते हैं जैसे – एक थाली में किसी भी भगवान की तस्वीर, धूपबत्ती व थोड़ा प्रसाद लेकर आरती के रूप में एक दुकान से दूसरी दुकान पैसे मांगते रहते है । कुछ बच्चे परिवार के नाम पर भींख मांगते है जैसे मेरी माँ, छोटे भाई बहन बीमार हैं । उनके इलाज के वास्ते पैसे चाहिए । आगे चलकर इन बच्चों का भविष्य क्या होगा ? सोचा है कभी ? जब इन बच्चों का अपना कोई भविश्य नहीं होगा तो वे अपने परिवार व देश का क्या भविष्य देंगे ? और वह परिवार, देश दिन प्रतिदिन पतन की ओर जायेगा।

द्वितीय दृश्य

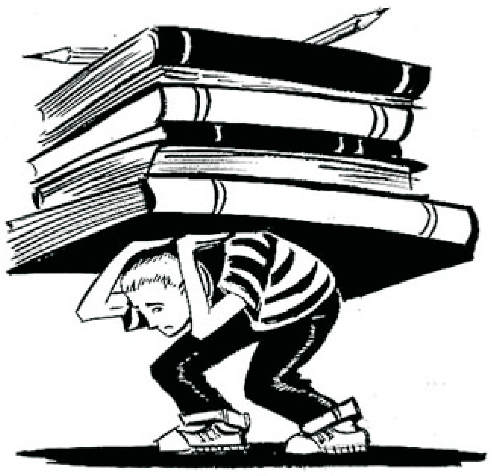

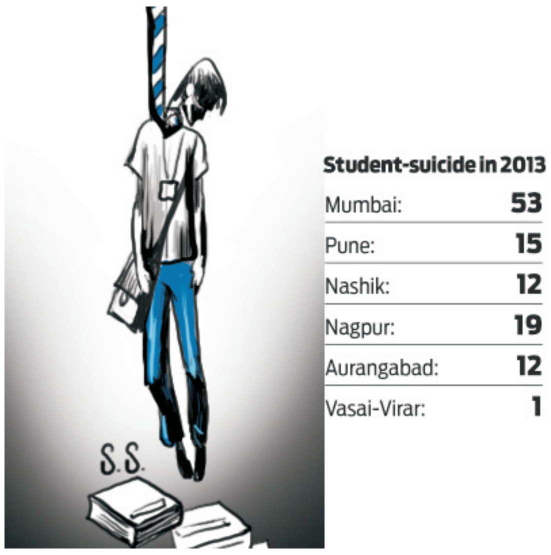

दूसरी तरफ जब माँ–बाप अपने सपनों को पूरा करने के लिए मासूम बच्चों पर अपने सपने थेप देते हैं । अपनी इस चाहत में वो बच्चों की स्वभाविक रुचियों को नजरअंदाज करते हुए उन पर अपने फैंसले थोपते चले जाते हैं । जिसका परिणाम बहुत घातक होता है। परिणाम स्वरूप बच्चे चिड़–चिड़े हो जाते हैं । उनकी स्वयं की प्रतिभा नष्ट हो जाती है और इस भंवर जाल में फँस कर वो अपने माँ–बाप के सपनों को साकार नहीं कर पाते । कुंठा और अवसाद का शिकार ये बच्चे बड़े होकर अपराधी और बुराईयों की राह पर निकल पड़ते हैं और नशे के आदी होकर चोरी, बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं देते हैं । अगर माता–पिता बच्चों को सहजता और सहयोग से परिपूर्ण वातावरण देकर उनकी रूचि और प्रतिभा के अनुसार शिक्षा प्राप्त कराऐंगे तो उसमें बच्चों और समाज दोनो का राष्ट्रहित होगा ।

अत्याधिक शारीरिक व मानसिक बोझ एवं माता–पिता के सजग न होने के कारण बच्चे अपराधिक प्रवृत्ति की ओर बढ़ जाते है । जिसकी पुष्टि निम्न आंकड़ों से की जा सकती है –

वर्ष	बच्चों के खिलाफ अपराध	सजा दर
2011	33,098	35 प्रतिशत
2012	38,172	29 प्रतिशत
2013	58,224	31 प्रतिशत

तृतीय दृश्य – धामपुर के सफल की झलक

हालांकि अब समाज की सोच में बदलाव आ रहा है, फिल्म 'तारे जमीं पर' और 'थ्री इडियट' में समाज की इसी समस्या की

ओर ध्यान दिलानेका प्रयास किया गया था । अब माता पिता बच्चों की रूचि जानने का प्रयास करने लगे हैं । साइकियाट्रिस्ट संजय चुंग की माने तो अच्छा यहीं होगा कि बच्चों को उनकी कैरियर संबंधी प्राथमिकताएं उन्हें ही तय करने दें ।

अब माता पिता यह जानते हैं कि डाक्टर और इंजीनियर बनने के अलावा भी बच्चा बहुत कुछ सीख सकता है, क्योंकि अब दिन लद गए जब गिने–चुने कैरियल ऑप्शन हुआ करते थे, आज कोई बच्चा संगीत की दुनिया में नाम कमा रहा है तो कोई पेंटिंग की दुनिया में । इसके अलावा फोटोग्राफी, डॉस और एडवेंचर जेसे ऑफ बीट कैरियर भी ढ़ेरों ही इसलिए अभिभावकों को दृष्टिकोण रखना चाहिए कि बच्चा जिस क्षेत्र में अपनी मौलिक क्षमता / रूचि के आधार पर जाना चाहता है उसे उस क्षेत्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिये । तभी वो एक सफल नागरिक बनेगा ।

सही परवरिश अगर हो तो किसी भी क्षेत्र में फतह हांसिल की जा सकती है । इसी बात को साबित किया है ।

चतुर्थ दृश्य

विभिन्न तथ्य निम्न स्रोतों से साधन्यवाद उद्धृत –

1.सामाजिक अनुसंधान पद्धतियॉं, डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल, साहित्य भवन, आगरा
2.जस्ट रीड हिन्दी मासिक पत्रिका ।
3.सरिता – अक्टूबर 'द्वितीय' 2010, नई दिल्ली
4.सरिता – जनवरी 'द्वितीय' 2011, नई दिल्ली ।
5.अमर उजाला – मेरठ, 14 अगस्त 2014 – प्रवाह

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ International Scientific Journal Consortium
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org